15 अगस्त, 2017 के अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. अशोक कुमार सरयाल जी के भाषण के कुछ अंश

- स्वतन्त्रता दिवस समारोह के इस पावन अवसर पर आप सबको मेरी ओर से बहुत–बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं।
- विश्वविद्यालय के संविधिक अधिकारीगण, विभागाध्यक्ष, विद्यालय परिसर एवं बाहरी केन्द्रों के शिक्षक, गैर–शिक्षक कर्मचारी वर्ग, अतिथिगण तथा मेरे प्रिय विद्यार्थीगण !
- 15 अगस्त 1947 स्वतन्त्रता संग्राम का वह दिन था जब भारत को ब्रिटिश राज से आजादी मिली और इस प्रकार एक नए युग की शुरूआत हुई, जब भारत एक मुक्त राष्ट्र के रूप में उभरा। स्वतन्त्रता दिवस के दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतन्त्र भारत के जन्म का आयोजन किया जाता है और भारतीय इतिहास में इस दिन का अत्यन्त महत्व है।
- भारतीय स्वतन्त्रता के संर्घष में अनेक अध्याय जुड़े हैं जिनमें 1857 की क्रान्ति से लेकर जलियांवाला बाग नरसंहार, असहयोग अन्दोलन से लेकर नमक सत्याग्रह तक शामिल हैं। अग्रेजों से आजादी पाना भारत के लिए आसान नहीं था लेकिन कई महान पुरूषों और स्वतन्त्रता सेनानियों ने इसे सच कर दिखाया। अपने सुख व आराम की चिंता किये बगैर उन्होंने भावी पीढ़ी यानि हम और आप की आजादी के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।
- यह दिन हमारी आजादी का जश्न मनाने और सभी शहीदों को श्रद्धांजली देने का अवसर है, जिन्होंने इस महान कार्य के लिए अपने जीवन का बलिदान कर दिया। स्वतन्त्रता दिवस पर प्रत्येक सच्चे भारतीय के मन में राष्ट्रीयता, भाईचारे और निष्ठा की भावना भर जाती है।
- स्वतन्त्रता दिवस का प्रतीक है 'नई दिल्ली का लाल किला' जहां हर वर्ष स्वतन्त्रता दिवस पर भारतीय प्रधानमन्त्री झंडा फहराते हैं, लेकिन 15 अगस्त 1947 को ऐसा नहीं हुआ था।

- लोक सभा सचिवालय के एक शोध पत्र के अनुसार भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने 16 अगस्त 1947 को लाल किले से झंडा फहराया था क्योंकि 15 अगस्त 1947 की आधी रात को भारत ने ब्रिटिश शासन से मुक्ति पाई थी।
- 15 अगस्त का यह दिन भारत के आलावा तीन अन्य देशों का भी स्वतन्त्रता दिवस है। दक्षिण कोरिया इसी दिन 1945 को जापान से आजाद हुआ था। बहरीन इसी दिन 1971 को ब्रिटेन से और कांगो 15 अगस्त 1960 को फ्रांस से आजाद हुआ था।
- किसी भी देश के लिए उसके भविष्य के सफर पर इतिहास का असर साफ झलकता है। इस वजह से यह जरूरी है कि मौजूदा पीढ़ी को पूर्वजों के बलिदान की जानकारी हो। उनके प्रति आदर हो। ऐसे में इस दिन से बेहतर और क्या हो सकता है जब उन्हें बताया जाए कि स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों ने किन–किन परेशानियों का सामना किया और देश को आजाद कराया। मौजूदा पीढ़ी के लिए यह दिन काफी महत्वपूर्ण है ताकि वह इतिहास पर चर्चा कर सकें और इसे समझ सकें।
- 15 अगस्त का महत्व हमारे जीवन में और भी बढ़ गया है। देश की सीमाओं के भीतर और बाहर कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।
- भारतवर्ष और तिरंगा केवल आयोजन ही नहीं है बल्कि आज की युवा पीढ़ी जब तक आजादी के मूल्य को नहीं समझेगी तब तक ऐसे आयोजनों का कोई मतलब नहीं रह जाता।
- आज के युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे 1947 की उस जादुई रात की भावना को महसूस करें और स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों के बताए रास्तों पर चल कर आगे बढ़ें।
- स्वतन्त्रता के कारण ही आज हम इस बात का गर्व महसूस कर रहे हैं कि भारत दुनिया की एक विश्व शक्ति के रूप में उभर कर आया है।

- कृषि क्षेत्र में आज हमारा देश खाद्यान्न में न केवल आत्मनिर्भर है बल्कि बासमती चावल, गेहूं व मक्का इत्यादि में 65 हजार करोड़ रूपये का सालाना निर्यात भी कर रहा है। बासमती में तो 30,000 करोड़ रूपये का विदेशी व्यापार कर भारत दुनिया का अग्रणी देश बन गया है। इसका श्रेय समय–समय की सरकारों, नीति निर्धारकों, कृषि वैज्ञानिकों व मेहनतकश किसानों को जाता है।
- हमारे वैज्ञानिकों ने समय की चुनौतियों को स्वीकार कर किसानों के खेतों में सोना उपजाना सिखाया है। कृषि एक ऐसा उद्यम है जिसमें निरन्तर नये शोध, प्रौद्योगिकी व प्रसार की आवश्यकता रहती है।
- अगर हम अपने प्रदेश की बात करें तो यहां 67 प्रतिशत किसानों के पास छोटी–छोटी जोतें हैं जिनके पास एक हैक्टेयर से भी कम खेती योग्य भूमि है तथा प्रति हैक्टेयर पैदावार भी कम होती है। 82 प्रतिशत किसान बारानी खेती पर निर्भर हैं और चुनौतियां कठिन हैं।
- क्योंकि यह कृषि विश्वविद्यालय किसानों के लिए है और किसानों की समस्याओं का समाधान हमारा दायित्व है, इसीलिए हमें अपने शोध, प्रसार व शिक्षा में समय की चुनौतियों के अनुसार बदलाव कर अपने लक्ष्यों को गतिशील बनाना होगा। यदि किसान खुशहाल होगा तभी हमारी सार्थकता सिद्ध हो सकती है।
- किसानों की आय दोगुनी करने के लिए विश्वविद्यालय ने कुछ उद्यम हमने चिन्हित किए हैं जिनके बारे में किसानों को जागरूक करना और उन्हें अपनाने के लिए प्रेरित करना अब हमारा लक्ष्य है। इस विषय पर हम सब समय–समय पर मंथन कर कर चुके हैं। लेकिन इनके क्रियान्वयन में हमें तेजी लानी होगी।
- इस समय विश्वविद्यालय में लगभग 44 करोड़ की 129 शोध परियोजनाएं चल रही हैं।
- पिछले एक वर्ष में विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों की 11 किस्में विकसित की हैं जो किसानों के लिए जारी कर दी गई हैं।
- इसी प्रकार प्रदेश में बैकयार्ड कुक्कुट पालन के लिए 'हिम समृद्धी कुक्कुट नस्ल विकसित करके इसी वर्ष किसानों को दे दी गई है।

- पिछले महीने ही देश भर में पहल करते हुए प्रदेश के किसानों की सेवा में विश्वविद्यालय में एक रोबोटिक ग्राफटिंग मशीन लगाई गई है।
- प्रयास किए गया है कि केवल गुणवत्ता के आधार पर ही शोध परियोजनाएं फन्डिंग ऐजैंसियों को भेजी जाएं।
- किसानों की सुविधा के लिए पौधा किस्म संरक्षण व किसान अधिकार प्राधिकरण का क्षेत्रीय कार्यालय मई माह में विश्वविद्यालय में स्थापित करवाया गया है।
- किसानों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहे हैं। सतलुज जल विद्युत निगम के साथ समझौता करके 800 किसानों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। गत वर्ष भी इसी तरह का प्रशिक्षण 500 किसानों को दिया गया था।
- विश्वविद्यालय में कम हो रहे स्टाफ की भर्ती के लिए जहां 21 अध्यापक पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय में भर्ती किए गए हैं वहीं 38 और अध्यापक भरने की प्रक्रिया चल रही है। इसी तरह लगभग 50 कनिष्ठ कार्यालय सहायकों की भर्ती भी की जानी है।
- आप सबके सहयोग से विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।
- विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महामहिम राज्यपाल नियमित रूप से अपना आशीर्वाद देते ही रहते हैं।
- केन्द्रीय कृषि राज्य मन्त्री, केन्द्रीय कृषि सचिव, प्रदेश कृषि सचिव व इसी तरह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के उपमहानिदेशक भी समय–समय पर आकर विश्वविद्यालय के कार्यों को देख गए हैं और प्रशंसा भी की है।
- इस अवसर पर मैं विश्वविद्यालय के उन सभी 91 छात्रों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने इस वर्ष विभिन्न राष्टीय स्तर की प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता पाई है। यह बहुत प्रसन्नता की बात है कि इस वर्ष भारत के विभिन्न संस्थानों में अपनी स्नातकोतर शिक्षा प्राप्त करने

के लिए बी.वी.एस.सी. व ए.एच.के अन्तिम वर्ष के 38 छात्रों ने भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् द्वारा आयोजित जूनियर रिसर्च फैलाशिप परीक्षा उतीर्ण की है। इसी तरह कृषि महाविद्यालय के 36 तथा गृह विज्ञान महाविद्यालय के 2 छात्रों ने भी इस वर्ष जूनियर रिसर्च फैलोशिप परीक्षा उतीर्ण की है। कृषि महाविद्यालय के 15 छात्रों ने देश के अग्रणी संस्थानों में पी.एच.डी. में प्रवेश हेतु भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् द्वारा आयोजित सिनियर रिसर्च फैलाशिप परीक्षा भी उतीर्ण की है। इसके अतिरिक्त कृषि महाविद्यालय के नौ विद्यार्थियों ने एग्री–मैनेजमैंट प्रवेश परीक्षा उतीर्ण की है। एक विद्यार्थी की भारतीय सेना में नियुक्ति हुई है। यह सब विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। छात्रों के साथ–साथ मैं विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को भी बधाई देता हूं जिनके कड़े परिश्रम व मार्गदर्शन से विद्यार्थी ये सफलताएं प्राप्त कर पाए हैं।

- छात्र कल्याण संगठन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में आज एन.सी.सी. कैडेटों ने बढ़िया मार्च पास्ट किया। मैं इस मौके पर उन सबको बधाई देता हूं व इनके प्रदर्शन की प्रशंसा करता हूं।
- आज के इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्य, विद्यार्थी, छोटे बच्चे तथा सम्माननीय अतिथियों ने भी शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। बहुत अच्छा लगा। आगे के लिए भी इस तरह के कार्यक्रमों में आप सपरिवार भाग लेते रहें।
- मैं पुनः इस पवित्र स्वतन्त्रता दिवस के शुभ अवसर पर आपका धन्यवाद करते हुए अपनी ओर से तथा विश्वविद्यालय की तरफ से आप सब को शुभ कामनाएं देता हूं।

जय हिन्द।

भारत माता की जय ।